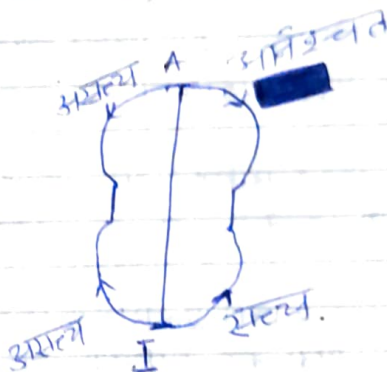


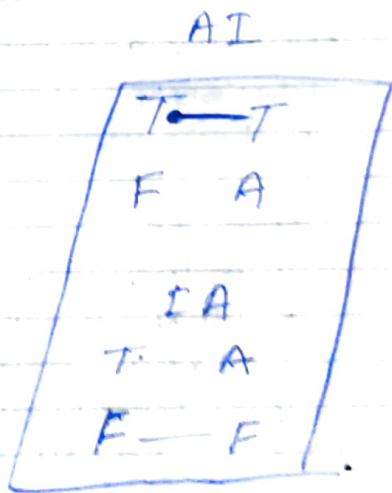
tutorial class — same as

10

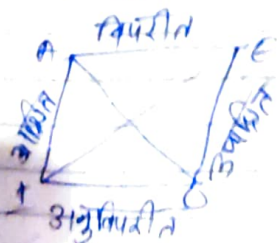
उपास्रयण (subalternation)



A (T)	E (F)	I (T)	O (F)
E (T)	A (F)	I (F)	O (T)
I (T)	A (U)	E (F)	O (U)
O (T)	A (F)	E (U)	I (I)
A (F)	E (U)	I (U)	O (T)
E (F)	A (U)	I (T)	O (U)
I (F)	A (F)	E (T)	O (T)
O (F)	A (T)	E (F)	I (T)

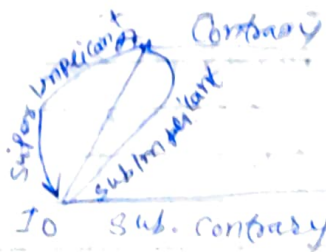


आधुनिक तर्कशास्त्र



formate  $\Rightarrow$  T

11 Sunday



## ईश्वर के गुण

व्यक्तित्व पूर्ण ईश्वर की अवधारणा सगुण ईश्वर की अवधारणा  
या धार्मिक व्यक्ति ईश्वर में दो प्रकार के गुणों की  
अवस्थिति मानते हैं

1) तात्विक गुण - सर्वव्यापक, सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञ  
नित्य, अपारिमित (असीमित)

2) नैतिक गुण - दया, करुणा, प्रेम, न्याय,  
सुभक्त से युक्त  
(सुभ)



## सर्वज्ञता

सर्वज्ञता व्यक्तित्व पूर्ण ईश्वर का एक महत्वपूर्ण तात्विक  
गुण है इसका आशय है कि ईश्वर सबकुछ जानता है  
अतीत व <sup>सर्व</sup>वर्तमान व भविष्य को जानता है  
ईश्वर सर्वज्ञ है क्योंकि वही जगत का सृष्टा है चूंकि  
ईश्वर असीम व पूर्ण है अतः उसमें सर्वज्ञता कहना  
आवश्यक है।

यहाँ ईश्वर को सर्वज्ञ मानने पर दो प्रकार  
की कठनाई उत्पन्न होती है

(A) सर्वज्ञता vs <sup>मनुष्य</sup>संकल्प स्वतंत्र

संकल्प स्वतंत्र - (Freedom of will) - इसका आशय है मनुष्य  
द्वारा अपनी इच्छा अनुसार अच्छा या बुरा कार्य करने की स्वतंत्रता

सर्वज्ञ - सबकुछ जानता है भविष्य की बात

↓

गलत

सुबह + बजे चाय पिये जाते तो वह  
तो पहले से ही जानता है तो फिर  
मनुष्य के संकल्प स्वतंत्र की  
बड़ा नती होती।

सर्वज्ञ

↓  
भौतिक बन्ध

↓  
परिवर्तनशील  
निर्वाही

साम

पुनः